

Sardar Patel University**M. A. (Final) (External) Examination****Sanskrit****Saturday, 29th March, 2014****02.30 p.m. to 05.30 p.m.****PAPER : 07****Total Marks: 100**

(१) वेद (नियत सूक्तानि)

(२) महाभारत-विराटपर्व।

प्रश्न: १ गभे ते त्रश भंत्रोनी नोध सखित अनुवाह करो:

(२१)

१. यस्मान्न ऋते विजयन्ते जनासो यं युध्यमाना अवसे हवन्ते।

यो विश्वस्य प्रतिमानं बभूव यो अच्युतच्युत्स जनास इन्द्रः ॥ (ऋग्वेद २/१२/९)

२. वीळुपत्मभिराशिहेमभिर्वा देवानां वा जूतिभिः शाशदाना।

तद्रासभो नासत्या सहस्रमाजा यमस्य प्रधने जिगाय ॥ (ऋग्वेद १/११६/२)

३. एषा व्येनी भवति द्विबर्हा आविष्कृण्वाना तन्वं पुरस्तात्।

ऋतस्य पन्थामन्वेति साधु प्रजानतीव न दिशो मिनाति ॥ (ऋग्वेद ५/८०/४)

४. इदं देवाः शृणुत य यज्ञिया स्थ भरद्वाजो मह्यमुक्थानि शंसति।

पाशे स बद्धो दुरिते नि युज्यतां यो अस्माकं मन इदं हिनस्ति ॥ (अथर्ववेद २/१२/२)

५. इमा आपः प्र भराम्ययक्ष्मा यक्ष्मनाशनीः।

गृहा नृप प्र सीदाम्यमृतेन सहाग्निना ॥ (अथर्ववेद ३/१२/९)

६. काले मनः काले प्राणः काले नाम समाहितम्।

कालेन सर्वा नन्दन्त्यागतेन प्रजा इमाः ॥ (अथर्ववेद १९/५३/७)

प्रश्न: २ गभे ते बे प्रश्नोना उत्तर लभो:

(१२)

१. प्रश्न-१ना भंत्र नं.२(१/११६/२)नो छंद ओणभावी, तेनुं बंधारण समञ्जवो.

२. वैदिकछंद विशे नोध लभो.

३. वैदिक छेत्वर्थकृदन्त विशे नोध लभो.

४. व्याकरण विषयक नोध लभो.

(१) त्रिषप्ताः। (२) गवयः। (३) शन्ध्युवम्।

प्रश्न: ३ वैदिक देवतानुं स्वरूप स्पष्ट करो

(१७)

अथवा

प्रश्न: ३ शिवसंकल्पसूक्तनुं रसदर्शन करो

(१७)

प्रश्न: ४ गभे ते त्रश श्लोकोनो नोध सखित अनुवाद करो:

(१८)

१. सभ्रास्तारो भविष्यामि तस्य राज्ञो महात्मनः।
कङ्को नाम द्विजो भूत्वा मताक्षः प्रियदेवताः॥ (१/२०)
२. समर्थनासु सर्वासु हितं च प्रियमेव च।
संवर्णयेत्तदेवास्य प्रियादपि हितं वदेत्॥ (४/१८)
३. यथा कर्कटकी गर्भमाधत्ते मृत्युमात्मनः।
तथाविधमहं मन्ये वासं तव शुचिस्मिते॥ (८/२६)
४. रसाः सर्पशाश्च गन्धाश्च शब्दाश्चापि गुणान्विताः।
दृश्यानि च प्रसन्नानि यत्र राजा युधिष्ठिरः॥ (२७/२०)
५. सर्वाङ्गनपदाञ्जित्वा वित्तमाच्छिद्य केवलम्।
मध्ये धनस्य तिष्ठामि तेनाहुर्मा धनञ्जयम्॥ (३९/११)
६. यत्सभायां स्म पाञ्चालीं क्लिश्यमानां दुरात्मभिः।
दृष्टवानसि तस्याद्य फलमाप्नुहि केवलम्॥ ५५/४)

प्रश्न: ५ महाभारतना ग्रंथकर्तृत्व विशे नोध लभो.

(१६)

अथवा

प्रश्न: ५ महाभारतकालीन समाज विषयक नोध लभो.

(१६)

प्रश्न: ६ डीयकवधपर्वनुं रसदर्शन करो.

(१६)

अथवा

प्रश्न: ६ विराटपर्वभां आवता अर्जुननां पराक्रमो विशे नोध लभो.

(१६)

* * * * *